CJ DARCL BULLETIN

COMPANY'S NEWS

READY TO GO THE DISTANCE

SKILL DEVELOPMENT TRAININGS @ CJ DARCL

CJ Darcl's corporate Learning & Development department is conducting various trainings for the development of its workforce.

Multiple sessions on Skill Development has been conducted in last few weeks.

More sessions on hospitality was also conducted at NSP office for support staff of 3 offices in Delhi, followed by dinner.

CJ Darcl का कॉर्पोरेट प्रशिक्षण विभाग अपने कार्यबल के विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है।

पिछले कुछ हफ्तों में कौशल विकास पर कई सत्र आयोजित किए गए हैं।

दिल्ली में 3 कार्यालयों के सहायक कर्मचारियों के लिए एनएसपी कार्यालय में आतिथ्य पर और सत्र भी आयोजित कएि गए, जिसके बाद रात्रि भोज हुआ।

SOME GLIMPSES OF THE TRAININGS

FIRST TIME OCEAN MOVEMENT DONE ON RORO MAFI VESSEL

Exim Gurgaon team executed Ocean Logistics -MAFI shipment on Roll-on/Roll-off (RORO) Vessel.

Customer - L&T Hydrocarbon Engineering

Port of Loading - Santos, Brazil
Port of Discharge- Mumbai India
Volume - 27 CBM, Length 17.2 mtr
Cargo Type - Project Machinery

Exim गुड़गांव टीम ने रोल ऑन रोल ऑफ (RORO) वेसल पर ओशन लॉजिस्टिक्स- MAFI शिपमेंट निष्पादित किया।

Customer - एल एंड टी हाइड्रोकार्बन इंजीनियरिंग

POL - सैंटोस, ब्राजील
POD- मुंबई India
वॉल्यूम - 27 CBM, लंबाई 17.2 मीटर
कार्गो प्रकार - प्रोजैक्ट मशीनरी

NAVRATRI "9 DIN 9 RANG"

The auspicious occasion of Navratri was celebrated by our employees by dressing up in the colours of the 9 days.

Special shoutout to Mr. Manoj Gupta - NBU Commercial Hisar, Ms. Aarti - CBD, Ms. Pratima - CBD, Female Staff from Tilak Bazar Hisar & Mumbai office. They dressed up in the colours on all 9 days.

हमारे कर्मचारियों द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर को नौ दिन नौ रंग के कपड़े पहन कर मनाया गया।

मनोज गुप्ता जी - NBU कमर्शियल हिसार, आरती जी - सीबीडी, प्रतिमा जी - सीबीडी, तिलक बाजार हिसार और मुंबई कार्यालय से महिला कर्मचारीयों को विशेष धन्यवाद। उन्होंने सभी 9 दिनों 9 रंगों के कपड़े पहने।

CALLING OUT TO ALL THE SINGERS!

Talent Hunt starts with the first competition - *Singing*.

To let our employees demonstrate their vocal talents with all, the talent hunt starts with a singing competition.

For this competition, only employees can participate, via video entries.

गायन – टैलेंट हंट की पहली प्रतियोगिता

हमारे कर्मचारियों को अपनी मौखिक प्रतिभा सभी को दिखाने के लिए, टैलेंट हंट एक गायन प्रतियोगिता के साथ शुरू होता है।

इस प्रतियोगिता के लिए केवल कर्मचारी ही, वीडियो प्रविष्टियों के माध्यम से, भाग ले सकते हैं।

STARTS - 20TH OCT
ENDS - 5TH NOV

TALENT HUNT RULES

- **वीडियो की लंबाई - 1 प्रारंभिक पैरा और 1 छंद Video length - 1 starting para & 1 stanza [अधिकतम ३ मिनट] [maximum 3 minutes]**
- **गायन एकल होनी चाहिए, कोई सहयोग नहीं Singing should be solo, no Collab's**
- **बैकग्राउंड में music हो सकता है Can have instrumental in the background**
- **प्रविष्टि वीडियो फ़ाइल में होनी चाहिए Entry should be in video format**
- **कोई ऑडियो फ़ाइल स्वीकार नहीं की जाएगी No audio file will be accepted**
- **फ़ाइल को अपने SAP / Emp ID के रूप में नाम दें Name the file as your SAP / Emp ID**
- **Emp ID के बिना प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा Entries would not be entertained without Emp ID**
- **ऑडियो स्पष्ट होना चाहिए Audio should be clear**
- **वीडियो को एकल फ़ाइल के रूप में अपलोड किया जाना चाहिए Videos must be uploaded as one single file**

- **सभी प्रविष्टियां 7 नवंबर तक CJ Darcl के फेसबुक पेज पर अपलोड की जाएंगी All entries would be uploaded on CJ Darcl's Facebook page by 7th Nov**
- **विजेताओं का चयन फेसबुक लाइक और जज के वोट के आधार पर होगा Winners would be selected basis - Facebook likes & Judge's votes**

LOGISTICS INDUSTRY NEWS

ZIM KINGSTON FIRE INCIDENT

A fire break out on ZIM Kingston, a 4253 TEU capacity container ship built in 2008 flying the Maltese flag, off the coast of Victoria in British Columbia, Canada on 23rd Oct. As per CBC News, 6 containers were on fire on board the ship which is said to be carrying 52,000 kg of Xanthates which are hazardous chemicals used in the mining industry.

23 अक्टूबर को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में विक्टोरिया के तट पर माल्टीज़ ध्वज को फहराते हुए 2008 में बनाया गया एक 4253 टीईयू क्षमता कंटेनर जहाज, ZIM किंग्स्टन में आग लग गई। सीबीसी न्यूज के अनुसार, जहाज पर 6 कंटेनरों में आग लग गई थी। जिसके बारे में कहा जाता है कि वह 52,000 किलोग्राम ज़ैंथेट ले जा रहा है जो खनन उद्योग में उपयोग किए जाने वाले खतरनाक रसायन हैं।

To further update on the condition of the M/V ZIM Kingston, the situation on board is stable and under control. Expert personnel and inspectors are due to board the ship in preparation for continued operations, pending safety approval and weather conditions in the area.

On Thursday 21st Oct, the ZIM Kingston reportedly faced hurricane West of the Strait of Juan de Fuca which caused the sea to rise to about 9 meters, resulting in 40 containers falling in to the sea.

“It’s now been determined that 109 have gone overboard, not the 40 that was originally estimated via aircraft observation and crew reports” Mariah McCooey, deputy federal incident commander, said.

M/V ZIM किंग्स्टन की स्थिति के बारे में और अपडेट करने के लिए, बोर्ड पर स्थिति स्थिर और नियंत्रण में है। विशेषज्ञ कर्मियों और निरीक्षकों को क्षेत्र में निरंतर संचालन, लंबित सुरक्षा अनुमोदन और मौसम की स्थिति की तैयारी के लिए जहाज पर चढ़ने के कारण हैं।

गुरुवार 21 अक्टूबर को, ZIM किंग्स्टन ने कथित तौर पर जुआन डे फूका के जलडमरूमध्य के पश्चिम में तूफान का सामना किया, जिसके कारण समुद्र लगभग 9 मीटर तक बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप 40 कंटेनर समुद्र में गिर गए।

"अब यह निर्धारित किया गया है कि 109 पानी में गिर गए हैं, न कि 40 जो मूल रूप से विमान अवलोकन और चालक दल की रिपोर्ट के माध्यम से अनुमानित थे," उप संघीय घटना कमांडर मारिया मैककोय ने कहा।

Xanthates IMDG कोड के वर्ग 4.2 के अंतर्गत आते हैं जो "स्वस्फूर्त दहन के लिए उत्तरदायी पदार्थ" के लिए वर्गीकरण है और कहा जाता है कि इसमें पोटेशियम एमिलक्सैन्थेट शामिल है जिसे पर्यावरणीय खतरा माना जाता है।

ZIM KINGSTON FIRE PUT FOCUS BACK AGAIN ON NON / MIS DECLARED CARGO

The fire that broke out on ZIM Kingston last week off the Canadian coast has brought the focus back on non/mis-declared goods in cargo.

The number of fires/explosions resulting in total losses increased in 2020, hitting a four-year high of 10, according to a study by marine insurer Allianz Global Corporate & Speciality.

"Fires often start in containers, which can be the result of non / mis-declaration of hazardous cargo, such as chemicals and batteries. When mis-declared, these might be improperly packed and stowed on board, which can result in ignition and / or complicate detection and firefighting. Major incidents have shown container fires can easily get out of control and result in the crew abandoning the vessel on safety grounds, thus increasing the size of the loss."

कनाडा के तट पर पिछले हफ्ते ZIM किंग्स्टन में लगी आग ने कार्गो में गैर/गलत घोषित माल पर ध्यान वापस ला दिया है।

समुद्री बीमा कंपनी एलियांज ग्लोबल कॉरपोरेट एंड स्पेशियलिटी के एक अध्ययन के अनुसार, 2020 में आग/विस्फोट की संख्या में कुल नुकसान में वृद्धि हुई, जो चार साल के उच्च स्तर 10 पर पहुंच गई।

"आग अक्सर कंटेनरों में शुरू होती है, जो रसायनों और बैटरी जैसे खतरनाक कार्गो की गैर/गलत घोषणा का परिणाम हो सकता है। जब गलत घोषित किया जाता है, तो इन्हें अनुचित तरीके से पैक किया जाता है और बोर्ड पर रखा जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रज्वलन हो सकता है। प्रमुख घटनाओं से पता चला है कि कंटेनर में आग आसानी से नियंत्रण से बाहर हो सकती है और इसके परिणामस्वरूप चालक दल सुरक्षा के आधार पर जहाज को छोड़ देता है, जिससे नुकसान का आकार बढ़ जाता है।"

SEROS LOGISTICS AND SHELL ENERGY INDIA ENTER INTO A STRATEGIC PARTNERSHIP FOR LNG DISTRIBUTION ACROSS INDIA

With its sights set on developing a larger market for green fuel in the nation, India's leading green and marine logistics players SEROS Logistics and Royal Dutch Shell's subsidiary, Shell Energy India (SEI), join hands to distribute liquefied natural gas (LNG) in India.

Under the 10 year contract, SEROS will be the logistics partner for Shell for doorstep delivery of LNG across the country and lead the country towards an environment-friendly future.

देश में हरित ईंधन के लिए एक बड़ा बाजार विकसित करने की अपनी दृष्टि के साथ, भारत की प्रमुख हरित और समुद्री रसद खिलाड़ी SEROS लॉजिस्टिक्स और रॉयल डच शेल की सहायक कंपनी, शेल एनर्जी इंडिया (SEI), भारत में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) वितरित करने के लिए हाथ मिलाती है।

10 साल के अनुबंध के तहत, SEROS देश भर में LNG की डोरस्टेप डिलीवरी के लिए शेल का लॉजिस्टिक पार्टनर होगा और देश को पर्यावरण के अनुकूल भविष्य की ओर ले जाएगा।

"India is rapidly shifting towards being a gas-based economy and the need of the hour is to opt for a fuel that is not only safe and reliable but also eco-friendly. Our partnership with Shell is a way to accelerate Hon Prime Minister Narendra Modi's efforts to achieve that goal. We focus on substantially boosting the use of greener fuels in the country and leading India's transition to cleaner fuels. With this partnership, customers will receive LNG delivered with the gold standard in safety following processes and systems mandated by Shell's HSSE requirements."

Mr. Ashish Agarwal, MD & CEO, SEROS Logistics

NORTH EAST INDIA GEARING UP FOR BETTER CONNECTIVITY, INCREASED ECONOMIC ACTIVITY

With an abundance of trade opportunities on the domestic as well as international front, it is imperative to develop a strong and efficient logistics network in the NER, that should be backed up by modern infrastructure technologies along with a wide network of warehouses.

Various development program are underway, programme like the improvement and construction of **roads**, **railway** connectivity projects, separate cargo terminals with dedicated f**reighter services** & inland **waterways** transport projects.

Tapping the NER's potential for logistics can prove to be a game-changer along with an unhinged focus on warehouse and infrastructure development in the region.

घरेलू और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मोर्चे पर व्यापार के प्रचुर अवसरों के साथ, एनईआर में एक मजबूत और कुशल रसद नेटवर्क विकसित करना अनिवार्य है, जिसे गोदामों के विस्तृत नेटवर्क के साथ-साथ आधुनिक आधारभूत संरचना प्रौद्योगिकियों द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए।

विभिन्न विकास कार्यक्रम चल रहे हैं, सड़कों के सुधार और निर्माण, रेलवे कनेक्टिविटी परियोजनाओं, समर्पित मालवाहक सेवाओं और अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन परियोजनाओं के साथ अलग कार्गो टर्मिनल जैसे कार्यक्रम चल रहे हैं।

रसद के लिए एनईआर की क्षमता का दोहन एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है, साथ ही इस क्षेत्र में गोदाम और बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जा सकता है।

FM LOGISTIC LEANS ONTO OMNICHANNEL SUPPLY CHAIN, TARGETS DOUBLE GLOBAL REVENUES BY 2030

Global 3PL giant, FM Logistic, announced on Tuesday about their incursion towards omnichannel logistics in India catering to the FMCG, FMCD, Pharma, Auto and Engineering sectors. The move was introduced as a part of the 'Powering 2030' plan of the organization under which, it targets to achieve double global revenues from Euro 1.4 billion to Euro 3 billion by the year 2030.

The company will cater to B2B and B2C clients with a focus on automation and digitization.

वैश्विक 3PL दिग्गज, FM लॉजिस्टिक ने मंगलवार को भारत में FMCG, FMCD, फार्मा, ऑटो और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में सर्व-चैनल लॉजिस्टिक्स की ओर अपने रुझान की घोषणा की। इस कदम को संगठन की 'पॉवरिंग 2030' योजना के एक भाग के रूप में पेश किया गया था, जिसके तहत, यह वर्ष 2030 तक यूरो 1.4 बिलियन से यूरो 3 बिलियन तक दोगुना वैश्विक राजस्व प्राप्त करने का लक्ष्य रखता है।

कंपनी B2B & B2C ग्राहकों की जरूरतें पूरी करेगी, ऑटोमेशन और डिजिटाइजेशन पर फोकस के साथ।

AGILITY GIL TAKEOVER BOOST DSV'S Q3 AIR VOLUMES

The Agility GIL takeover coupled with market growth fetched DSV the airfreight volumes and revenue growth of double digit percentage levels during the 3rd Quarter of the year.

In its 3rd quarter DSV's airfreight revenues rose by 78.7% year on year to DKr18.4bn and volumes were up by 28.8% to 386,702 tons. DSV said that much of the volume increase was down to the inclusion of Agility GIL's results for the first time.

Agility GIL अधिग्रहण ने बाजार की वृद्धि के साथ DSV को एयरफ्रेट वॉल्यूम और वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान दोहरे अंकों के प्रतिशत के स्तर की राजस्व वृद्धि प्राप्त की।

अपनी तीसरी तिमाही में DSV का एयरफ्रेट रेवेन्यू सालाना 78.7% बढ़कर DKr18.4bn हो गया और वॉल्यूम 28.8% बढ़कर 386,702 टन हो गया। डीएसवी ने कहा कि पहली बार एजिलिटी जीआईएल के परिणामों को शामिल करने के कारण वॉल्यूम में वृद्धि हुई थी।

DSV
Global Transport and Logistics

Agility
Global Integrated Logistics

95% STAKEHOLDERS ADOPT BLR AIRPORT'S CARGO COMMUNITY SYSTEM FROM KALE

The roll-out of Kale Logistics Solutions' Airport Cargo Community System (ACS) at Kempegowda International Airport, Bengaluru, has been adopted by 95 percent of airport stakeholders.

Airport operator Bangalore International Airport Limited (BIAL) set its mind on implementing the ACS to digitalise and streamline cargo operations as part of its goal to become a Smart Airport, with roll out commencing in March this year.

Already in operation, the ACS has connected all air cargo stakeholders at the airport, including Customs, Customs brokers, terminal operators, shippers, airlines, trucking companies, ground and cargo handlers and freight forwarders.

Full roll-out of the ACS at Bengaluru Airport is expected to be completed by the start of 2022.

केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, बेंगलुरु में काले लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस एयरपोर्ट कार्गो कम्युनिटी सिस्टम (एसीएस) के रोल-आउट को 95 प्रतिशत हवाईअड्डा हितधारकों ने अपनाया है।

एयरपोर्ट ऑपरेटर बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) ने इस साल मार्च में शुरू होने वाले स्मार्ट एयरपोर्ट बनने के अपने लक्ष्य के हिस्से के रूप में कार्गो संचालन को डिजिटल बनाने और सुव्यवस्थित करने के लिए एसीएस को लागू करने पर अपना मन लगाया।

पहले से ही संचालन में, एसीएस ने हवाई अड्डे पर सभी एयर कार्गो हितधारकों को जोड़ा है, जिसमें सीमा शुल्क, सीमा शुल्क दलाल, टर्मिनल ऑपरेटर, शिपर्स, एयरलाइंस, ट्रकिंग कंपनियां, ग्राउंड और कार्गो हैंडलर और फ्रेट फॉरवर्डर्स शामिल हैं।

बेंगलुरू हवाई अड्डे पर ACS का पूर्ण रोल-आउट 2022 की शुरुआत तक पूरा होने की उम्मीद है।

WAREHOUSE ASSOCIATION OF INDIA – A MILESTONE IN THE HISTORY OF INDIAN WAREHOUSING

The charter for Warehouse Association of India was signed on 16th Oct 2021. The Charter is a pivotal point in the journey of logistics and warehousing in India as there wasn't any such organisation to look into standardisation as well as globalisation of the industry.

The association aspires to form a tight-knit yet accessible group of stakeholders and achieve growth by sharing best practices and participating in joint ventures, etc.

वेयरहाउस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चार्टर पर 16 अक्टूबर 2021 को हस्ताक्षर किए गए थे। चार्टर भारत में लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग की यात्रा में एक महत्वपूर्ण बिंदु है क्योंकि उद्योग के मानकीकरण के साथ-साथ वैश्वीकरण को देखने के लिए ऐसा कोई संगठन नहीं था।

एसोसिएशन हितधारकों का एक चुस्त लेकिन सुलभ समूह बनाने की इच्छा रखता है और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके और संयुक्त उद्यमों आदि में भाग लेकर विकास प्राप्त करता है।

वेयरहाउस एसोसिएशन ऑफ इंडिया निम्नलिखित प्रमुख एजेंडा को आगे बढ़ाएगा

- भंडारण उद्योग के सरकार और अन्य हितधारकों के बीच मध्यस्थता
- गोदामों का मानकीकरण और विकास
- एसोसिएशन के सदस्यों के साथ-साथ अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग
- सलाहकार सेवाएं

INDIAN RAILWAYS LABOURING FOR CLEANER AND GREENER ROLL BY 2030 WITH NET-ZERO CARBON EMISSIONS

Indian Railways creates a colossal carbon footprint with daily operations. However, it aspires to become a 'net-zero' carbon emitter by the year 2030 by applying all-inclusive changes to the way it operates.

Bringing sustainability via a multi-faceted approach

Electrifying the network -
Railways plans to completely electrify the entire railway network by 2023, initiating an increase in the total traction requirement to 3,400 megawatt.

Increasing sources of renewable energy -
The organization plans to install 20 gigawatt of solar plants for both traction and non-traction loads on its vacant lands. And is also making efforts to stimulate private sector investments in the plan to revamp operations.

भारतीय रेलवे दैनिक संचालन के साथ एक विशाल कार्बन फुटप्रिंट बनाता है। हालाँकि, यह अपने संचालन के तरीके में सभी समावेशी परिवर्तनों को लागू करके वर्ष 2030 तक 'net-zero' कार्बन उत्सर्जक बनने की इच्छा रखता है।

बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से स्थिरता लाना

नेटवर्क का विद्युतीकरण -
रेलवे ने 2023 तक पूरे रेलवे नेटवर्क को पूरी तरह से विद्युतीकृत करने की योजना बनाई है, जिससे कुल कर्षण आवश्यकता को बढ़ाकर 3,400 मेगावाट कर दिया गया है।

अक्षय ऊर्जा के बढ़ते स्रोत -
संगठन ने अपनी खाली भूमि पर कर्षण और गैर-कर्षण भार दोनों के लिए 20 गीगावाट सौर संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है। और परिचालन में सुधार की योजना में निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने के प्रयास कर रहा है।

APM PIPAVAV NOW DIRECTLY CONNECTS TO ICD JODHPUR ON ELECTRIFIED ROUTE

APM Terminals Pipavav flagged off the first container train to Jodhpur ICD (Inland Container Depot) on the electrified route.

The container train was operated by Pipavav Rail Corporation (PRCL). This connection will reduce cargo transit time and ensure quick turnaround of containers by utilizing the PRCL CTO license to commence a weekly direct regular service from Pipavav Port to Bhagat Ki Kothi on electric traction.

एपीएम टर्मिनलों पिपावाव ने विद्युतीकृत मार्ग पर जोधपुर आईसीडी (इनलैंड कंटेनर डिपो) के लिए पहली कंटेनर ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया।

कंटेनर ट्रेन का संचालन पिपावाव रेल कॉरपोरेशन (पीआरसीएल) द्वारा किया गया था। यह कनेक्शन कार्गो ट्रांजिट समय को कम करेगा और पीआरसीएल सीटीओ लाइसेंस का उपयोग करके कंटेनरों का त्वरित टर्नअराउंड सुनिश्चित करेगा, जो पीपावाव पोर्ट से भगत की कोठी तक बिजली के कर्षण पर एक साप्ताहिक सीधी नियमित सेवा शुरू करेगा।

NEW CHINA-INDIA SERVICE DEBUTED AT NANSHA PORT

Wan Hai Lines and Interasia Lines jointly launched China-India service from Nansha port of Guangzhou. The China-India service (CI2), will deploy three 2,000 teu containerships and two 2,000 teu containerships by Wan Hai and Interasia, respectively.

Guangzhou port had newly added 20 foreign trade services so far this year, connecting with over 400 ports from over 100 countries and regions.

The port of Nansha operates 134 international trading routes.

वान हाई लाइन्स और इंटरएशिया लाइन्स ने संयुक्त रूप से ग्वांगझू के नानशा बंदरगाह से चीन-भारत सेवा शुरू की। चीन-भारत सेवा (सीआई2), वान है और इंटरएशिया द्वारा क्रमशः तीन 2,000 टीयू कंटेनरशिप और दो 2,000 टीयू कंटेनरशिप तैनात करेगी।

गुआंगज़ौ बंदरगाह ने इस साल अब तक 20 विदेशी व्यापार सेवाओं को जोड़ा है, जो 100 से अधिक देशों और क्षेत्रों के 400 से अधिक बंदरगाहों से जुड़ रहा है।

नन्शा का बंदरगाह 134 अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों का संचालन करता है।

TRANSPORT LOGISTICS COMPANIES RIDING GROWTH WAVE AS COVID WANES

India's logistics companies are riding on a wave of growth after the waning of the second wave of the Covid-19 pandemic.

Global supply chain constraints and fuel price hikes continue to pose challenges. But their customers - such as automotive companies that have been hit the hardest - have assured them of increase in production, while the overall market is able to absorb the higher fuel prices.

In India as elsewhere, a spurt in demand in some segments such as ecommerce have kept companies bullish and encouraged them to invest on new infrastructure.

भारत की लॉजिस्टिक्स कंपनियां कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के खत्म होने के बाद विकास की लहर पर सवार हैं।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी चुनौतियों का सामना करना जारी रखती है। लेकिन उनके ग्राहकों – जैसे कि ऑटोमोटिव कंपनियां जो सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं – ने उन्हें उत्पादन में वृद्धि का आश्वासन दिया है, जबकि समग्र बाजार उच्च ईंधन की कीमतों को अवशोषित करने में सक्षम है।

भारत में अन्य जगहों की तरह, ई-कॉमर्स जैसे कुछ क्षेत्रों में मांग में तेजी ने कंपनियों को तेज रखा है और उन्हें नए बुनियादी ढांचे पर निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

SOURCE: LOGISITCS INSIDER/ INDIAN TRANSPORT & LOGISTICS NEWS / THE ECONOMICS TIMES

GENERAL NEWS

SEMICONDUCTOR SHORTAGE TO BRING DOWN INDIA'S PV SALES GROWTH TO 11-13% IN FY22: CRISIL

The global shortage of semiconductors will moderate the growth in India's passenger vehicle (PV) sales to 11-13 per cent in the ongoing financial year, 400-600 basis points lower than what it would have been without the scarcity, CRISIL Ratings said on Tuesday.

Explaining the reason for semiconductor or chip shortage, CRISIL said the pandemic induced uncertainties led to sharp swings

क्रिसिल रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि सेमीकंडक्टर्स की वैश्विक कमी चालू वित्त वर्ष में भारत के यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री में 11-13 प्रतिशत की वृद्धि को कम कर देगी, जो कि कमी के बिना 400-600 आधार अंक कम होगी।

सेमीकंडक्टर या चिप की कमी का कारण बताते हुए, क्रिसिल ने कहा कि महामारी से प्रेरित अनिश्चितताओं के कारण ओईएम के ऑर्डर में तेज बदलाव आया, जो वैश्विक

in orders by OEMs, which account for 10-12 per cent of global chip demand. This led to chip makers diverting their supplies towards other sectors such as consumer electronics, which saw significant surge in demand, especially during the stay-at-home period of the pandemic.

While the shortage has led to production losses for OEMs, the waiting period for some models has increased from 2-3 months to 6-9 months for customers, it added. CRISIL said the chip shortage is expected to continue into the first quarter of next fiscal, with capacity addition not keeping pace with demand, and long lead times of 12-18 months to set up a greenfield facility.

चिप मांग का 10-12 प्रतिशत है। इसके कारण चिप निर्माताओं ने अपनी आपूर्ति को उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे अन्य क्षेत्रों की ओर मोड़ दिया, जिससे मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, विशेष रूप से महामारी के घर में रहने की अवधि के दौरान।

इसमें कहा गया है कि कमी के कारण ओईएम के लिए उत्पादन में कमी आई है, कुछ मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि ग्राहकों के लिए 2-3 महीने से बढ़कर 6-9 महीने हो गई है। क्रिसिल ने कहा कि चिप की कमी अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें क्षमता वृद्धि मांग के अनुरूप नहीं है, और ग्रीनफील्ड सुविधा स्थापित करने के लिए 12-18 महीने का लंबा समय है।